E
Batch-2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : जनवरी– २०२३

सत्र – १

विषय : भारतीय साहित्यशास्त्र (HC - 101)

दि. १७/०१/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ भारतीय साहित्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

प्र. २ साधरणीकरण एवं करूण रस की आस्वाद्यता को स्पष्ट कीजिए।

प्र. ३ कुंतक के वक्रोक्ति संबंधी विचारों को स्पष्ट करते हुए वक्रोक्ति के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

प्र. ४ ध्वनि की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए उनके भेंदों का विवेचन कीजिए।

प्र. ५ रस–सिध्दांन्त की परिभाषा पर प्रकाश डालते हुए रस और गुण का परस्पर संबंध पर प्रकाश डालिए।

प्र. ६ साहित्य में शब्द–शक्ति की महत्ता एवं उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।

प्र. ७ आ. वामन की रीति संबंधी परिभाषा को स्पष्ट करते हुए रीति के विविध भेदों का परिचय दीजिए।

प्र. ८ साहित्य के मूल उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

प्र. ९ भरतमुनि का रससूत्र स्पष्ट करते हुए रसानुभूति कैसे होती है ? इसका विवेचन कीजिए।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. रीती और शेली।

२. वर्तमान संबंध में रस सिद्धांन्त की प्रासंगिकता।

३. ध्वनि सिद्धांन्त।

४. औचित्य सिद्धांन्त।